केंद्रीय विद्यालय-1 में राष्ट्रीय एकता पर्व कला उत्सव शुरू

एक भारत श्रेष्ठ भारत : गीत-कहानियों और नृत्य प्रस्तुतियों से असम की संस्कृति को जीवंत किया

प्रतापनगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में समारोह की शुरुआत करते अतिथि और प्रस्तुति देते विद्यार्थी। दो दिवसीय आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर हो रहा है।

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

प्रतापनगर स्थित केंद्रीय विद्यालय-1 में संभाग स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व कला उत्सव की शुरुआत शुक्रवार को हुई। दो दिवसीय आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर हो रहा है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन जयपुर संभाग के उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव और विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार थे। प्राचार्य दिल बहादुर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थान के संकुल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त 9 संकुलों के लगभग 400 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कला उत्सव की इस बार की विषय वस्तु 'विकसित भारत : वर्ष 2024 में भारत के लिए एक दृष्टिकोण' है, जो असम राज्य पर आधारित है।

डॉ. यादव ने बताया कि कला उत्सव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख अवधारणाओं के अनुरूप है। यह समग्र और व्यापक शिक्षा को बढ़ावा देने में इसके महत्त्व को दर्शाता है। भारतीय संस्कृति और दर्शन का दुनिया पर गहरा प्रभाव रहा है। कला उत्सव के अंतर्गत असम राज्य से संबंधित समूह नृत्य (शास्त्रीय एकल, क्षेत्रीय लोक या जनजातीय समूह), गायन (शास्त्रीय एकल, समूह या लोक व जनजातीय समूह/भक्ति समूह/देशभक्ति समूह), स्वर संगीत, वाद्ययंत्र संगीत, थिएटर कला, दृश्य कला, कलाकृति परियोजना प्रदर्शनी, पारंपरिक कहानी वाचन, ऑन स्पॉट चित्रकारी प्रतियोगिताएं हुईं। इनका मूल्यांकन विषय विशेषज्ञों ने किया।

हर श्रेणी में विजेताओं को ट्रॉफी और पदक दिए गए। सभी समूहों में विजेता प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर जयपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानों के लिए शील्ड, मेडल एवं प्रमाण-पत्रों का वितरण मुख्य अतिथि उपायुक्त डॉ. यादव ने किया।

संचालन कार्यक्रम प्रभारी सुखाराम एवं प्रणयजा सोनी ने किया। संगीत शिक्षक सदाशिव गौतम ने गायन एवं वाद्य-यंत्रों से समां बांधा। उप प्राचार्य अब्दुल हसीब ने आभार ज्ञापित किया। मीडिया प्रभारी गोवर्धन बोरा ने बताया कि उत्सव में धर्मेंद्र पामेचा, संदीप टांक, नारायण माली, दिलीप कुमार जैन, किशन सिंह, अश्विन कुमार, दुर्गा शंकर समेत सभी शिक्षक-कर्मचारी और विद्यार्थियों की मौजूदगी रही।